सालार 2' का प्री-प्रोडक्शन शुरू, फिर दहाड़ेंगे प्रभास

'सालार' की दुनिया एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने की तैयारी में है. प्रभास स्टारर इस बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइजी के दूसरे अध्याय 'सालार 2: शौर्यांगा पर्व' का प्री-प्रोडक्शन शुरू हो गया है. होम्बले फिल्म्स ने फिल्म को लेकर काम तेज कर दिया है और निर्माता विजय किरागंदूर तथा निर्देशक प्रशांत नील इस महत्वाकांक्षी परियोजना को बड़े स्तर पर तैयार करने में जुट गए हैं. फिल्म के अगले अध्याय की शुरुआत की खबर सामने आते ही प्रभास के प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है.

सालार: पार्ट 1: सीजफायर' ने दर्शकों को खानसार की दुनिया, दोस्ती, सत्ता और संघर्ष की एक दमदार कहानी से रूबरू कराया था. फिल्म में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन और जगपति बाबू ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं. प्रभास और पृथ्वीराज की जोड़ी को दर्शकों ने खास तौर पर पसंद किया. फिल्म की कहानी के साथ इसके एक्शन दृश्यों ने भी खूब चर्चा बटोरी थी.

रुक्मिणी वसंत ने 'टॉक्सिक' को अब तक के काम से बताया बिल्कुल अलग

अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को अब तक किए अपने काम से बिल्कुल अलग बताया है.फिल्म के म्यूजिक लॉन्च के मौके पर रुक्मिणी ने कहा कि 'टॉक्सिक' उनके और फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति के लिए बेहद खास है. फिल्म की विशाल दुनिया और बड़े पैमाने ने उन्हें पहली बार इसके बारे में सुनते ही प्रभावित किया था. उन्होंने कहा कि फिल्म का आकर्षण केवल इसके भव्य पैमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके किरदारों की जटिलता भी इसे खास बनाती है. प्रत्येक किरदार के ग्रे शेड्स हैं और वे बेहद कच्चे तथा मानवीय हैं.

मेलिसा के किरदार के बारे में रुक्मिणी ने कहा कि वह यह जानने को लेकर उत्साहित थीं कि फिल्म की इस विशाल दुनिया में मेलिसा कहां फिट होती है और उसका अन्य किरदारों के साथ किस तरह का जुड़ाव है. यश के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा कि यश की फैनगर्ल होने के बाद उनके साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए शानदार अनुभव रहा. रुक्मिणी ने कहा कि 'टॉक्सिक' इसलिए भी खास है क्योंकि दर्शकों ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है.

'उमराव जान' ने फिर जीता दर्शकों का दिल

भारतीय सिनेमा की कहानी सिर्फ फिल्मों और सितारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, संगीत, भाषा, भावनाओं और बदलते दौर की यादों को भी अपने भीतर समेटे हुए है. इसी विरासत को वैश्विक मंच पर सामने लाने वाले इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबोर्न के 17वें संस्करण की शुरुआत इस बार भी खास अंदाज में हुई.

मेलबोर्न में आयोजित आईएफएफएम 2026 के उद्घाटन समारोह में भारतीय सिनेमा के अतीत, वर्तमान और भविष्य की झलक एक साथ देखने को मिली. अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का आधिकारिक शुभारंभ किया. दीप प्रज्वलन को भारतीय सिनेमा की रोशनी और उसकी कहानियों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने की निरंतर यात्रा का प्रतीक माना गया.

उद्घाटन समारोह की शुरुआत 'मेंबर्स ऑफ द प्रॉब्लेमैटिक फैमिली' के ऑस्ट्रेलिया में पहली बार प्रदर्शन के साथ हुई. इसके बाद समारोह का आकर्षण उस समय और बढ़ गया, जब दिग्गज अभिनेत्री रेखा अभिनीत और मुजफ्फर अली निर्देशित क्लासिक फिल्म 'उमराव जान' के पुनर्स्थापित संस्करण की विशेष स्क्रीनिंग की गई. दशकों बाद भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाए रखने वाली इस फिल्म ने महोत्सव की शाम को यादगार बना दिया. स्क्रीनिंग के दौरान रेखा ने 'उमराव जान' से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को साझा किया. उन्होंने बताया कि जब उन्होंने इस फिल्म में अभिनय किया था, तब उनकी उम्र महज 22 वर्ष थी. मुजफ्फर अली ने जब उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई और बताया कि फिल्म उर्दू में बनाई जा रही है, तो उन्होंने आश्चर्य जताते हुए पूछा था कि उनके जैसी लड़की इस कहानी में कैसे फिट होगी. समय के साथ फिल्म भारतीय सिनेमा की यादगार कृतियों में शामिल हो गई और रेखा का किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है. रेखा ने यह भी बताया कि 'उमराव जान' से जुड़ी एक ऐसी बात है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं. उन्होंने इस फिल्म को पहली बार पिछले वर्ष देखा था. उनके लिए यह अनुभव बेहद खास और भावुक करने वाला रहा, क्योंकि फिल्म बनने के वर्षों बाद उसे स्वयं एक दर्शक के रूप में देखना एक अलग एहसास था.

एट होम रिसेप्शन' में शामिल होंगे आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन 15 अगस्त को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'एट होम रिसेप्शन' में शामिल होंगे.स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस औपचारिक समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होती हैं. इनमें राष्ट्रीय नेता, सशस्त्र बलों के जवान, खिलाड़ी, कलाकार और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली हस्तियां शामिल रहती हैं. कार्तिक आर्यन के लिए यह निमंत्रण उनके करियर के खास दौर में आया है. हाल ही में उन्हें कबीर खान निर्देशित फिल्म 'चंदू चैंपियन' में अपने अभिनय के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है.

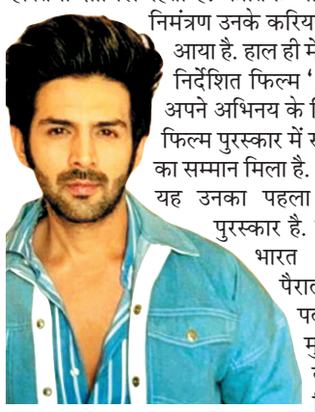

यह उनका पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है. फिल्म में उन्होंने भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई थी.

रणवीर सिंह की नई फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की महत्वाकांक्षी नई सर्वाइवल फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू हो गई है। अनन्या बिरला के बिरला स्टूडियोज, टू स्टोरी फिल्म्स और मां कसम फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं. रणवीर की मुख्य भूमिका वाली 'प्रलय' एक महत्वाकांक्षी एंड-ऑफ-द-वर्ल्ड एक्शन थ्रिलर है. फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर मुंबई में शुरू हो गई है. इसके साथ ही भारतीय सिनेमा की बड़े पैमाने पर बनाई जा रही फिल्मों में से एक की शूटिंग शुरू हो गई है.

दुनिया के खत्म होने की कहानी

यह फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधर - द रिवेंज' के बाद रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म है. दोनों फिल्में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हैं.

'प्रलय' के साथ रणवीर एक बार फिर ऐसी दुनिया में कदम रख रहे हैं, जिसे भारतीय सिनेमा में पहले इस तरह नहीं देखा गया है. अपनी पीढ़ी के बेहतरीन कलाकारों में गिने जाने वाले रणवीर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके निर्माता भी हैं. यह कहानी उनसे शारीरिक मेहनत के साथ-साथ भावनाओं को भी मजबूती से दिखाने की मांग करती है. अनन्या बिरला के लिए 'प्रलय' बिरला स्टूडियोज की एक खास फिल्म है. इसके जरिए वह सिनेमा में कुछ नया करने की कोशिश कर रही हैं और भारत के नए दौर के प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम कर रही हैं. हंसल मेहता और साहिल सैगल की टू स्टोरी फिल्म्स के लिए 'प्रलय' ऐसी कहानी पेश करने की कोशिश है, जो अपने कंटेंट के जरिए कुछ अलग करे.

देशभक्ति का मतलब है डर से आजादी और प्यार से जीने का हक : दीया मिर्ज़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्ज़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज नेटफ्लिक्स सीरीज़ 'ऑपरेशन सफेद सागर' की सफलता का हिस्सा हैं. कारगिल युद्ध के वीर जवानों की बहादुरी और देश के प्रति उनके जज़्बे को सलाम करती यह सीरीज़ दर्शकों के बीच चर्चा में बनी हुई है. इसी बीच दीया मिर्ज़ा ने देशभक्ति को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनके लिए देश से प्यार करने का मतलब ऐसी जिंदगी है, जिसमें हर व्यक्ति सुरक्षित महसूस करे और उसे अपने सपनों को पूरा करने की आजादी मिले.

दीया ने कहा, 'ये धरती, इससे जुड़े हुए लोग, हर प्रांत हर समय इस विश्वास के साथ जिए कि हम सुरक्षित हैं, हममें प्यार है, हमें अधिकार हैं. और हम जो भी चाहते हैं अपनी ज़िंदगी में, उसे हासिल कर पाएं, विथ फ्रीडम फ्रॉम फियर . ऑपरेशन सफेद सागर' में दीया मिर्ज़ा कमलप्रीत कौर धनाओ की भूमिका में नजर आ रही हैं. अपने किरदार के जरिए उन्होंने उन महिलाओं के साहस और मजबूती को सामने लाने की कोशिश की है, जिन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान मुश्किल परिस्थितियों में अपने परिवार और देश के लिए मजबूती से खड़े रहने का जज़्बा दिखाया. सीरीज़ का प्रीमियर सात अगस्त को हुआ है और यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है.

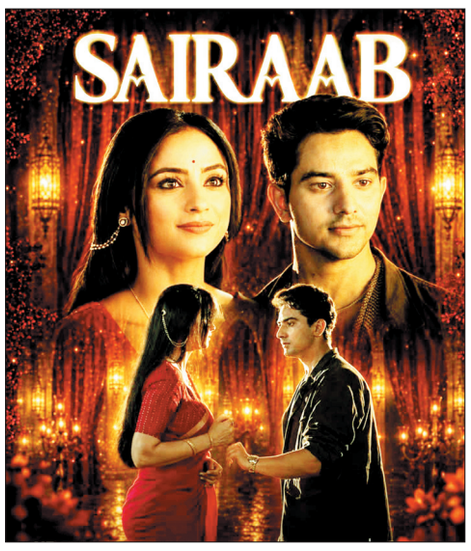

ईशान की याददाश्त गई, नैयनिका का प्यार रह गया अधूरा

'सायराब' की कहानी में अब प्यार, याददाश्त और जुदाई का ऐसा मोड़ आने वाला है, जो नैयनिका और ईशान के रिश्ते की सबसे बड़ी परीक्षा साबित होगा. ईशान के आंशिक रूप से याददाश्त खोने के बाद उसकी जिंदगी से नैयनिका और उनके साथ बिताई यादें जैसे मिट गई हैं. दूसरी ओर, नैयनिका का दिल ईशान के साथ बिताए हर पल को अब भी पूरी तरह महसूस कर रहा है. वह जानती है कि ईशान उसे पहचान नहीं पा रहा, लेकिन अपने प्यार को दिल से निकाल पाना उसके लिए आसान नहीं है.

नैयनिका खुद को बार-बार यह समझाने की कोशिश करती है कि अगर ईशान की यादों में वह नहीं है तो शायद दोनों के लिए आगे बढ़ना आसान होगा. वह चाहती है कि ईशान अपनी नई जिंदगी में बिना किसी उलझन के आगे बढ़े. लेकिन भावनाएं तर्क से कहां चलती हैं. नैयनिका ईशान से पूरी तरह प्यार कर चुकी है और अपने इस प्यार का इजहार भी सबके सामने कर चुकी है. ऐसे में अचानक उसके लिए ईशान की जिंदगी में अजनबी बन जाना बेहद दर्दनाक है.

इसी बीच ईशान के परिवार का उसे अस्पताल से छुट्टी दिलाकर घर ले जाने का फैसला नैयनिका की बेचैनी बढ़ा देता है. भिशु दा नैयनिका से कहते हैं कि वह उनके साथ ही रहे, लेकिन नैयनिका इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करती. वह भिशु दा से ईशान का ख्याल रखने के लिए कहती है. हालांकि, इस बातचीत के दौरान भिशु दा का नैयनिका को बेटी की तरह संबोधित करने के बजाय 'डॉ. नैयनिका' कहना दोनों के बीच बदल चुके रिश्ते की स्थिति को साफ कर देता है.

ईशान की घर वापसी की खबर सुनकर नैयनिका के भीतर का संघर्ष और तेज हो जाता है. वह किसी न किसी बहाने ईशान के करीब रहना चाहती है. कभी जांच के बहाने तो कभी सामान्य बातचीत के जरिए वह उसके साथ थोड़ा और समय बिताने की कोशिश करती है. लेकिन ईशान का व्यवहार अब पहले जैसा नहीं रहा. वह नैयनिका से सामान्य तरीके से मिलता है, क्योंकि उसे उनके पुराने रिश्ते और उससे जुड़ी भावनाएं याद नहीं हैं. नैयनिका के लिए सबसे मुश्किल यही है कि वह जिस इंसान को अपना सब कुछ मान चुकी है, वही अब उनके रिश्ते को पहचानने में असमर्थ है.

यंग इंडिया

बीएचईएल में 530 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती

बीएचईएल में अप्रेंटिस बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के त्रिची संयंत्र ने ट्रेड अप्रेंटिस, तकनीशियन अप्रेंटिस और स्नातक अप्रेंटिस के कुल 530 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की है. इस भर्ती के लिए 10वीं पास से लेकर आईटीआई, डिप्लोमा और स्नातक डिग्री रखने वाले युवा अपनी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं.

12 सितंबर तक करें आवेदन

खास बात यह है कि प्रशिक्षण के दौरान चयनित अभ्यर्थियों को हर महीने वजीफा भी दिया जाएगा. भर्ती में ट्रेड अप्रेंटिस के सबसे अधिक 380 पद हैं. इनमें फिटर के 125, वेल्डर के 115, इलेक्ट्रीशियन के 30, टर्नर के 20, मशीनिस्ट के 20, मोटर मैकेनिक के 12, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक के 7, प्रशीतन एवं वातानुकूलन मैकेनिक के 6 और कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग सहायक के 45 पद शामिल हैं. तकनीशियन अप्रेंटिस के लिए कुल 60 पद निर्धारित हैं.

गेट 2027 का रजिस्ट्रेशन 27 से शुरू

गेट 2027 के लिए आवेदन करने की तैयारी कर रहे इंजीनियरिंग और विज्ञान के विद्यार्थियों को अब कुछ दिन और इंतजार करना होगा. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास ने स्नातक अभियांत्रिकी अभिरुचि परीक्षा यानी गेट 2027 के पंजीयन कार्यक्रम में बदलाव किया है. पहले ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त 2026 से शुरू होनी थी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है. संशोधित कार्यक्रम के अनुसार उम्मीदवार 27 अगस्त 2026 से गेट 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे.

आवेदन की सामान्य अवधि 27 सितंबर 2026 तक रहेगी. इस अवधि में उम्मीदवार बिना विलंब शुल्क के अपना आवेदन जमा कर सकेंगे. इसके बाद विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने का अतिरिक्त

मौका दिया जाएगा और उम्मीदवार 5 अक्टूबर 2026 तक पंजीयन कर सकेंगे. आवेदन में किसी तरह की गलती होने पर उम्मीदवारों को सुधार का मौका भी मिलेगा. इसके लिए सुधार खिड़की 14 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी. परीक्षा केंद्र वाले शहरों के आवंटन की सूची 4 जनवरी 2027 को जारी की जाएगी. गेट 2027 की परीक्षा फरवरी 2027 में आयोजित होगी. परीक्षा की तारीखें 6, 7, 13, 14, 20 और 21 फरवरी तय की गई हैं. इन सभी तारीखों पर परीक्षा दो सत्रों में होगी. इस बार परीक्षा कुल 30 परीक्षा प्रश्नपत्रों के लिए आयोजित की जाएगी. उम्मीदवार अपनी पात्रता और उपलब्ध विकल्पों के अनुसार एक या अधिकतम दो प्रश्नपत्रों में शामिल हो सकते हैं.

गेट 2027 में रोबोटिक्स और स्वचालन प्रश्नपत्र को भी विशेष रूप से दो हिस्सों में बांटा गया है. इसका पहला भाग सामान्य खंड होगा, जबकि दूसरे भाग में विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी के दो खंड होंगे. आवेदन को लेकर उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण नियम यह है कि प्रत्येक अभ्यर्थी को केवल एक आवेदन पत्र जमा करना होगा. यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित प्रश्नपत्र संयोजन के तहत दूसरा प्रश्नपत्र भी देना चाहता है, तो वह अपने मूल आवेदन में ही दूसरा प्रश्नपत्र जोड़ सकता है. एक से अधिक आवेदन जमा करने पर केवल एक आवेदन स्वीकार किया जाएगा और बाकी आवेदन रद्द कर दिए जाएंगे.

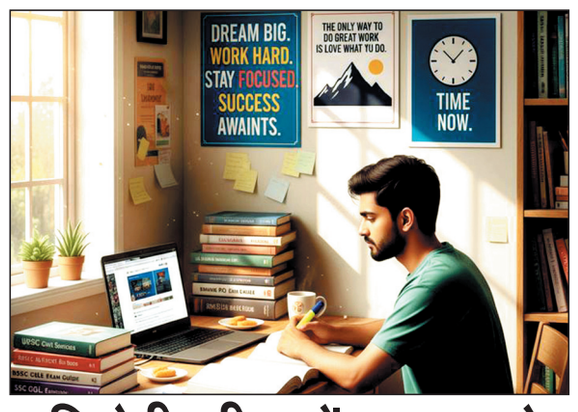

प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए कितनी जरूरी एकाग्रता

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि लंबे समय तक पढ़ाई पर ध्यान बनाए रखना भी है. कई विद्यार्थी घंटों तक किताबों के सामने बैठे रहते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनका ध्यान मोबाइल, इंटरनेट, बातचीत या दूसरी गतिविधियों की ओर चला जाता है. ऐसे में पढ़ाई का कुल समय भले ही अधिक दिखाई दे, लेकिन वास्तविक अध्ययन कम हो जाता है. इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए ज्यादा घंटे पढ़ने से अधिक जरूरी है एकाग्र होकर पढ़ना. एकाग्रता का मतलब है कि पढ़ाई के दौरान आपका पूरा ध्यान उसी विषय पर हो. जब विद्यार्थी किसी अध्याय को पढ़ते समय उसके अर्थ को समझने, महत्वपूर्ण तथ्यों को याद रखने और सवालों को हल करने पर ध्यान देता है, तो उसकी सीखने की क्षमता बेहतर होती है. इसके विपरीत किताब सामने रखकर बार-बार मोबाइल देखना या दूसरी चीजों के बारे में सोचना पढ़ाई की गुणवत्ता को कम कर देता है.

एकाग्रता बढ़ाने के लिए पढ़ाई को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना उपयोगी हो सकता है. उदाहरण के लिए, विद्यार्थी एक निश्चित समय तक पूरी तरह पढ़ाई करने के बाद छोटा विराम ले सकता है. इससे दिमाग पर लगातार पढ़ाई का दबाव कम होता है और दोबारा पढ़ने बैठने पर ध्यान बनाए रखना आसान होता है. पढ़ाई शुरू करने से पहले यह तय करना भी जरूरी है कि उस सत्र में कौन सा विषय या कौन सा अध्याय पूरा करना है. छोटे और स्पष्ट लक्ष्य विद्यार्थी को अपनी प्रगति समझने में मदद करते हैं. अब सवाल आता है कि पढ़ाई का सबसे अच्छा समय कौन सा है. इसका कोई एक निश्चित जवाब नहीं है. कुछ विद्यार्थियों के लिए सुबह का समय सबसे बेहतर होता है, क्योंकि उस समय वातावरण शांत रहता है और नींद पूरी होने के कारण दिमाग अधिक सक्रिय महसूस होता है.

इंडियन ऑयल में निकली बंपर भर्ती, 3 सितंबर तक करें आवेदन

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है. कंपनी ने वर्ष 2026 के लिए कार्यकारी पदों पर भर्ती की घोषणा की है. 14 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार स्नातक इंजीनियर, अधिकारी (विपणन), विधि अधिकारी, सहायक गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी और अलग-अलग श्रेणियों में डिप्लोमा इंजीनियर समेत कई पदों पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी. इच्छुक अभ्यर्थी 3 सितंबर 2026 शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू हो चुकी है.

भर्ती प्रक्रिया में उम्मीदवारों का चयन तीन चरणों में किया जाएगा. सबसे पहले कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी. इसके बाद समूह चर्चा और समूह कार्य आयोजित किया जाएगा. अंतिम चरण में व्यक्तिगत साक्षात्कार होगा. कंप्यूटर आधारित परीक्षा में कुल 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे. प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित होगा. पहले भाग में सामान्य अभिरुचि से जुड़े प्रश्न होंगे, जिनमें मात्रात्मक अभिरुचि, तार्किक तर्क और अंग्रेजी की मौखिक क्षमता से संबंधित सवाल पूछे जाएंगे. दूसरे भाग में उम्मीदवार के संबंधित विषय की जानकारी परखी जाएगी. प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक मिलेगा, जबकि गलत उत्तर देने पर 0.25 अंक की कटौती होगी.

अंतिम मेरिट सूची तैयार करने में कंप्यूटर आधारित परीक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी. इसके लिए 85 प्रतिशत भार निर्धारित किया गया है. समूह चर्चा और समूह कार्य को 5 प्रतिशत तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार को 10 प्रतिशत भार दिया गया है. यानी उम्मीदवारों के अंतिम चयन में लिखित परीक्षा का प्रदर्शन निर्णायक भूमिका निभाएगा. आयु सीमा की बात करें तो इसकी गणना 1 जुलाई 2026 के आधार पर की जाएगी. स्नातक इंजीनियर और डिप्लोमा इंजीनियर के पदों के लिए अधिकतम आयु 26 वर्ष है. अधिकारी (विपणन) के लिए अधिकतम आयु 28 वर्ष और विधि अधिकारी तथा सहायक गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी के लिए 30 वर्ष तय की गई है. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य पात्र आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट मिलेगी. कुछ पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता के साथ कार्य अनुभव भी जरूरी है.